

**नैराश्यवाद** पुं. (तत्.) दे. निराशावाद।

**नैरुक्त** वि. (तत्.) 1. शब्दों की निरुक्ति अर्थात् व्युत्पत्ति से संबद्ध 2. निरुक्त शास्त्र से संबंधित दे. निरुक्त पुं. 1. शब्दों की निरुक्ति व्युत्पत्ति का ज्ञान रखने वाला व्यक्ति, वैयाकरण 2. शब्दों की निरुक्ति से संबंध रखने वाला ग्रंथ।

**नैरुक्तिक** पुं. (तत्.) दे. नैरुक्त।

**नैरुज्य** पुं. (तत्.) निरुज अर्थात् रोग-रहित रहने की स्थिति, स्वास्थ्य, आरोग्यता।

**नैर्ऋति** वि. (तत्.) निर्ऋति संबंधी, निर्ऋति का दे. निर्ऋति 2. दक्षिण-पश्चिमी पुं. 1. दक्षिण-पश्चिम दिशा अथवा कोण का स्वामी 2. राक्षस, दैत्य 3. राहु 4. मूल नक्षत्र।

**नैर्ऋती** स्त्री. (तत्.) 1. दक्षिण-पश्चिम दिशा 2. दुर्गा का एक नाम।

**नैर्ऋतेय** वि. (तत्.) निर्ऋति संबंधी, निर्ऋति का पु. निर्ऋति देवता का उपासक।

**नैर्गुण्य** पुं. (तत्.) 1. सत् आदि तीनों गुणों का अभाव, निर्गुणता, निर्गुणतत्त्व 2. सद्गुणों का अभाव दे. निर्गुणता।

**नैर्मल्य** पुं. (तत्.) 1. निर्मलता 2. शुद्धता, स्वच्छता, सफाई 3. दोष-हीनता, निष्कलंकता दे. निर्मलता।

**नैवेद्य** पुं. (तत्.) 1. (भगवान को) निवेदित अथवा समर्पित की गई भोज्य वस्तु।

**नैश** वि. (तत्.) 1. रात्रि संबंधी, रात्रि का 2. रात्रि में होने वाला, निशाकालीन 3. अंधकार युक्त, तमोमय।

**नैशिक** वि. (तत्.) दे. नैश।

**नैषध** वि. (तत्.) 1. निषध देश का पु. राजा नल 2. श्रीहर्ष का ग्रंथ 'नैषधीय चरितम्'।

**नैषधीय** वि. (तत्.) 1. नैषध संबंधी, नैषध का, निषध देश के राजा से संबंधित, राजा नल का 2. महाकवि श्रीहर्ष द्वारा रचित 'नैषधीयम्' महाकाव्य।

**नैष्कर्म्य** पुं. (तत्.) 1. निष्क्रियता 2. आलस्य 3. आसक्ति तथा फल की इच्छा को छोड़कर कर्म करने की भावना, निष्कर्म भाव से युक्त होना, निष्काम होने का भाव।

**नैष्किक** वि. (तत्.) 1. निष्क संबंधी, निष्क का 2. निष्क देकर खरीदा हुआ अथवा निष्क से बना हुआ 3. प्राचीन भारत में टकसाल का प्रमुख वि. प्राचीन काल में (संभवतः पहली दूसरी शताब्दी में) प्रचलित एक सोने का सिक्का जो एक कर्ष या 16 माशा सुवर्ण का होता था जिसे निष्क कहा जाता था, मूल्यवान सुवर्ण-हार को भी 'निष्क' कहा जाता था।

**नैष्ठुर्य** पुं. (तत्.) निष्ठुरता, क्रूरता, कर्कशता, कठोरता।

**नैष्पत्र्य** पुं. (तत्.) 1. वृक्षों के पत्ते झड़ जाने के बाद की स्थिति निष्पत्रता, निष्पत्रण 2. पतझड़ का मौसम।

**नैसर्गिक** वि. (तत्.) 1. निसर्ग से संबंधित 2. स्वाभाविक प्राकृतिक, सहज 3. अंतर्जात, अंतर्हित।

**नैसर्गिक अधिकार** पुं. (तत्.) राज. नैसर्गिक रूप से अस्तित्व में आने वाले अधिकार natural rights दे. नैसर्गिक विधि।

**नैसर्गिक न्याय** पुं. (तत्.) मानव की सहज नैतिक भावना पर आधारित न्याय। natural justice

**नैसर्गिक विधि** पुं. (तत्.) वे सिद्धांत अथवा विधिनिकाय जिन्हें प्रकृति, उपयुक्त-तर्क अथवा धर्म तथा मानव समाज में प्रचलित नीति-परक नियमों/बंधनों पर आधारित माना जाता है।

**नैहर** पुं. (देश.) (विवाहिता स्त्री का) पितृ-गृह, पीहर, मायका।

**नोक** स्त्री. (फा.) 1. किसी कठोर वस्तु का नुकीला सिरा जो दूसरी कोमल वस्तु में चुभ या घुस सकता है, कोना, अनी जैसे- काँटे या सुई की नोक 2. किसी वस्तु का वह सिरा जो अन्य अंशों की अपेक्षा पतला हो यथा-समुद्र में दूर तक गयी भूमि की नोक 3. दो रेखाओं के मिलने का बिंदु।

**नोक-झोंक** स्त्री. (फा.) परस्पर होने वाली कहासुनी या वाद-विवाद जिसमें कटुता तो नहीं होती पर आक्षेप तथा व्यंग्य बाण अधिक होते हैं, जैसे दूकानदार और ग्राहक के बीच नोक-झोंक।